GOSSNER EVANGELICAL – LUTHERAN CHURCH
IN CHOTANAGPUR AND ASSAM

GELC ARCHIVE

Signature: **GELC-A _ 001 _ 0835**

Classification:

Original File No:

Title

GEL CHURCH PRESS

Volume:

Running **from year: 1979** **till year: 1981**

Content:

- **Notice and Letter correspondence.**

FOLDER FILE

GEL Church Press

File No.______

Name______________________

Subject MISCELLANEOUS

Serial No.________ To________

From (Months) 1979 To 81

Year______ 19__.

G.E.L. CHURCH
(Registered under societies Registration Act XXI of 1860)

PRESS

EST 1872
PHONE 21810
MAIN ROAD. RANCHI. BIHAR.

30/3

NOTICE

Ref; GELP/MAN/3/100 Dated. 30th March 1981

A meeting of the managing committee of G.E.L. Church Press will be held on 3.4.81 at 5 P.M. in the Press Conference Hall.

Kindly make it convenient to attend the meeting.

Due to ill health I didn't attend the meeting
3/4

Agenda.

1. Confirmation of the minutes of the previous meeting.
2. Workers' demand of revision of pay scale.
3. Other matters.

Yours faithfully,

30/3
for SECRETARY,
THE PRESS MANAGEMENT COMMITTEE,
G.E.L. CHURCH PRESS, RANCHI.

श्रीमान,

मेनेजर साहब.

छोटनागपुर क्रिश्चन पब्लिशिंग हाउस

मेन रोड - रांची।

ता० 7.1.1981.

महाशय,

निवेदन ऐसी है कि मैं एक गरीब परिवार और बेसहारा वाला हूँ। इसलिये इस दर्द भरी दुखियारी को आप के चरणो तले पेश कर रहा हूँ, सो गुस्सा के बजाय प्यार से ग्रहण कर-लिजिये।

कारण कि किसी का प्राइभेट काम करता हूँ तो उसमे से कुछ नही मिलता है।

इसी लिये इस दरखास्त को इस लिये पेश कर रहा हूँ। कि हमे X mas मे 27. to 31.-1979 मे काम कराया गया उसके बाद 24 से 25 को 26 को छोड़ कर 27. to 31, 12. 1980 तक काम - कराया गया है। उसका मेहनत को आज नही देंगे तो दुखित हो कर बिमारी माँ को खो देना होगा जो बेचारी मर रही है. इसी लिये इस दरखास्त को आप के पास पेश करना पड़ा। उनका हालत देखने से ऐसा लगता है इसी साल के अन्दर - मुझे छोड़ कर चली जायगी। सेवा तो कर रहे है मगर ~~इस~~ दवा दारु नही कर पा रहे है, और साथ मे उनका खांसी जोर से हो गया है इसी-लिये कुछ रुपया आज देते तो आप की मेहरबानी होगी। 12 बजे तक मे कुछ देते तो मै कहता कि मेनेजर मदद किये है।

आप का आज्ञाकारी

अलबर्ट तिर्की

कुकसोप रांची।

श्रीमान : प्रमुख अध्यक्ष
राँची के एस एस गोसनर्स. ✓
ता॰ - ९, ७. ८०
9/7

द्वारा, मेनेजर साहब,
छोटानागपुर क्रिश्चयन पब्लीशिंग -
हाउस मेन रोड रांची,

महाशय,

निवेदन ऐसी है कि मैं मानबहादुर डेढ़ महीना का छुट्टी लिया था घर जाने के लिये मगर नहीं जा सका, कारण कि मेरे बदले में एक जन को काम पर लगाया था वो भाग गया. इसी के बाद हमें अपने काम पर नहीं आने दिया गया था, सो अब डेढ़ महीना खत्म हो गया है, सो अब मुझे फिर से काम पर बुला लिया जाय, कारण कि मेरी हालत ठीक नहीं है। मेरी वेतन बढ़ा-दिया जाय।

इसके लिये ईश्वर आप सभों को आशिर्वाद दें।

ता ९,७,८०.

आप सभों का आज्ञाकारी
मानबहादुर
छोटानागपुर क्रिश्चन पब्लि-
हाउस रांची

TO

The Secretary
Management Committee
G.E.L Church Press, Ranchi

८/७

दिनांक ५.६.८०

महाशय

आप के निकट सविनय निवेदन ऐसा है कि ता० ३०.६.८० को आप के आदेश अनुसार हम को १.८.८० से हमारा प्रेस में काम करना बन्द करा दिया गया है। आप से मेरा दीन पूर्वक अर्जी है कि मुझे फिर से प्रेस में काम करने दिया जाय क्योंकि मैं काम करने के लायक हूँ मेरा प्रेस में काम करते हुए प्रेस को नुकसान नही हुआ है। जितना भी काम मुझ से इतने सालों के अन्दर हुआ है लाभ ही हुआ है।

१, प्रेस में कई बार हड़ताल किया गया और इस से बहुत से कामकरता दूसरे प्रेस चले गये इस समय मैं ही प्रेस को सम्भाला।

२, राँची में N.C.D.C Press, Government Press शहर में बहुत से नये प्रेस खुले उस समय भी कितने काम करता इस प्रेस से चले गये मैं अपना मिशन प्रेस समझ कर अपना जीवन यहीं पर बिता दिया हूँ और प्रेस की सेवा करता रहा।

३, भूषण खेस्स इस प्रेस से चले गये उस समय इस प्रेस की क्या परिस्थिति थी

सब को मालूम है। कई वर्ष का E.P.F, E.S.I, B.S.T देना बाकी पड़ गया था। उस समय मैनेजर, प्रोडक्शन मैनेजर कोई नही था। मैंने Rev. M. Tete secretary एवं office staff के सहयोग से प्रेस को सम्भाला और बहुत सा बकाया अदा करा दिया गया। महिना लगते ही सब को वेतन १ला तारीख को ही मिल जाता था। प्रेस की भलाई तो मैंने जरुर की है। अतः इस समय हमारी परिस्थिति अच्छी नही है और मैं काम करने सकता हूं इसलिए आप सभों से मेरा प्रार्थना है कि मुझे फिर काम करने का मौका दिया जाय कम से कम एक साल तक।

इस काम के हेतु आप सभों का धन्यवादि बना रहूंगा।

आप का सेवक
नवीन कुजूर
५.६.८०

Copy to :-

1) Rev. P. D. Soreng
Chairman
Management Committee
G. E. L. Church Press

2) Shri L. Dungdung
Secretary
Management Committee
G. E. L. Church Press

P.T.O

(3) Shri B. Lakra
Superintendent
G.E.L. Church Press

4) Shri A. Barla

5) Shri M. Ekka

6) Shri S. Ekka

7) Shri A. D. Topno

G.E.L. CHURCH
(Registered under Societies Registration Act XXI of 1860)

PRESS

EST 1872

PHONE 21510

MAIN ROAD, RANCHI, BIHAR.

Ref: GELCP/MIN/3/356 Dated. 12th Nov. 1980

NOTICE

A meeting of the Managing Committee of G.E.L. Church Press will be held on 14.11.1980 at 4 P.M. in the Press Conference Hall.

Kindly make it convenient to attend the meeting.

Agenda :-

1. Confirmation of the minutes of the previous meeting.
2. Matters arising out of minutes.
3. Staff matters.
4. Other matters.

Yours faithfully,

SECRETARY,
THE PRESS MANAGEMENT COMMITTEE,
G. E. L. CHURCH PRESS, RANCHI.

G.E.L. CHURCH
(Registered under Societies Registration Act XXI of 1860)
PRESS
EST 1872
PHONE 21510
MAIN ROAD, RANCHI, BIHAR.

16/6

Ref: GELP/Man/3/183 Dated: 16th June, 1980

NOTICE

The meeting of the Managing Committee of G.E.L. Church Press coild not be held on 14.6.80 for want of quorum and it was decided that the meeting will be held on 16.6.80 at ~~5 P.M.~~ 5.30 P.M. in the Press Conference Hall.

Kindly make it convenient to attend the meeting.

Yours faithfully,

16/6

For SECRETARY,
THE PRESS MANAGEMENT COMMITTEE,
G. E. L. CHURCH PRESS, RANCHI.

G.E.L. CHURCH
(Registered under Societies Registration Act XXI of 1860)
PRESS
EST 1872
PHONE 21510
MAIN ROAD, RANCHI, BIHAR.

Ref: GELP/Mon/3/174 Date: 12th June, 1980

NOTICE

A meeting of the Managing Committee of G. E. L. Church Press will be held on 14.6.80 at 4 P.M. in the Press Conference Hall.

Kindly make it convenient to attend the meeting.

Agenda:

1. Confirmation of the minutes of the previous meeting.
2. Matters arising out of meeting.
3. Staff matters.
4. Other matters.

Yours faithfully,

SECRETARY,
THE PRESS MANAGEMENT COMMITTEE,
G. E. L. CHURCH PRESS, RANCHI.

To
The Manager Sahab.
Chotanagpur Christian Pub. House
Main Rd. Ranchi.

Dated :- 24.5.80

24/5

महाशय,

हमें हर्ष के साथ पैर को जला, जला कर और सेक, सेक, कर आप के पास इस दरखास्त को लिख रहा हूँ, अपनी माँ के काम के लिये आप से अनुरोध करता हूँ कि कुछ काम बाकी है - ~~उसके लिये~~ सो इस काम को जल्द करवा को उनका Pension का रुपया मिलने वाला है हेडमास्टर सोमबार को बुलाये है, उसके बाद आप दोनो को बुला कर पुछेगी कि रुपया को कौन सा काम मे लगाया जायगा, कारण कि घर मे रखना ठीक नही समझ रही है, 23.5.80 को हेडमास्टर आये थे मगर मैं काम पर था इस लिये थोड़ा काम Wrjeut हो गया है। सो हमें आज मदद करिये 100) रु ताकी माँ किसी को मुंह नही देखने देगी, और इसको लिख सो और हमें कुछ समान चाहिये (किताब और सोमबार की छुट्टी आप की ~~श्री~~

~~हि~~ आज्ञाकारी
जोसबर्ट तिर्की

Chairman
Chairman
Secretary
Ex-Servicemen Co-op. Society
Treasurer
Chairman
Chairman
Secretary
Secretary
Treasurer
Chairman

G.E.L. CHURCH
(Registered under Societies Registration Act XXI of 1860)
PRESS
EST 1872
PHONE 21510
MAIN ROAD, RANCHI, BIHAR.

Ref: GELP/MAN/3/85 Dated: 10th March, 1980

"NOTICE"

Pastor S. Kriebel, Director, Gossner Mission, is scheduled to visit the press on 16.3.1980 after Adult Church service. Kindly make it convenient to attend the get-together.

10/3/80
SECRETARY,
THE PRESS MANAGEMENT COMMITTEE,
G. E. L. CHURCH PRESS, RANCHI.

To,

Sri. A.D. Topno.

G.E.L. CHURCH
(Registered under Societies Registration Act XXI of 1860)
PRESS
EST 1872
PHONE 21510
MAIN ROAD, RANCHI, BIHAR.

26/2

Ref: GELP/MAN/3/73 Dated: 23rd. Feb. 1980

"NOTICE"

A meeting of the Managing Committee of G.E.L. Church Press will be held on 28.2.1980 at 5 P.M. in the Press Conference Hall.

Kindly make it convenient to attend the meeting.

AGENDA.

1. Confirmation of the minutes of the previous meeting.
2. Matters arising out of the minutes.
3. Visit of the Director of Gossner Mission.
4. Printrite Blocks.

Yours faithfully,

25/2/80

SECRETARY,
THE PRESS MANAGEMENT COMMITTEE,
G. E. L. CHURCH PRESS, RANCHI.

G.E.L. CHURCH
(Registered under Societies Registration Act XXI of 1860)
PRESS
EST 1872
PHONE 21510
MAIN ROAD, RANCHI, BIHAR.

21/11

To
Sri. A.D. Topno,
C.C.P. House,
Ranchi.

Ref: GELP/MAN/3/386 Dated: 20th Nov. 1979

NOTICE

21/11

A meeting of the Managing Committee of G.E.L.Church Press will be held on 24.11.79 at 4 p.m. in the Press Conference Hall.

Kindly make it convenient to attend the meeting.

Agenda.

1. Confirmation of the minutes of the previous meeting.
2. Matters arising out of meeting.
3. Illegal activities of Printrite Blocks.
4. Other matters.

Yours faithfully,

20/11/79

Secretary
THE PRESS MANAGEMENT COMMITTEE
G. E. L. CHURCH PRESS, RANCHI.

To

The Manager Sahab.
Book Land Ranchi.
Dated 13.10.79.

13/10

महाशय,

मुझे अति दुखित और उदास के साथ लिखना हो रहा है, मैं कानुन अपने वेतन के लिये लगाया हूं मगर आज मेरी मदद किया जाय कि हाथ में एक भी रुपया नहीं है। कारण कि चावल, लकड़ी खरीदने के बाद कुछ पैसा पाकिट पर नहीं रहा। इसी कारण आप से अनुरोध करता हूं, कि इस मदद किया जाय। और उस पैसे के जगह में 3.11.79 में काट दिया जाय गाली मिलेगा कह कर ~~आप~~ आप के नहीं आ सक रहा हूं सो मेरी गलती के लिये माफी चाहता हूं।

आप का आज्ञाकारी
Albert Tirkey
C.C.P House Ranchi

To

The Manger Sahab.

C.C.P. House Ranchi

आप के कहे अनुसार आप को जना देना चाहता हूँ कि हमें इस तरीके से इसी हफ्ते से दिया जाय। ताकी मेरा काम चल सकेगा।

N.B 6.10.79 — 30 Rs 30 रु पाया [illegible] 6/10/7[illegible]

12.10.79 — 30 Rs

20.10.79 — 30 Rs+30 = 60

27.10.79 — 30 Rs

3.11.79 — 30 Rs.

आप एक दिन कहे थे कि कैसा करने से आप का काम चलेगा। उसी को आज के ता। 6.10.79 से लागू करवा रहा हूँ। अब तो आप दुखित नहीं रहेंगे और न मैं। सो इस हफ्ते से ये नियम को चालू किया जाय

आप का आज्ञाकारी

ली; श्री बी एस अकबर तिर्की रांची

To The manger Sahab
Book land Ranchi.

Sir.
I wants to know you very sorry, So you must give me help in this time and after you must cut 10 Rs per week on 27. 10. 79. ~~and 10. 11.~~ 17. 11. 79.
I have doing you P.V.T. request you.
Gods gives you wel.

Dated :- 18/10/79

yours faithfully
Albert Tirkey
Book land Ranchi

Saturday I want to take with you 60 or 50 Rs only.
Albert Tirkey

Dear Sir

फैक्ट्री से आखरी चार
किताब ला कर और कह रहा
था कि मैनेजर को आखरी लाने
के लिये हम कहाँ रखेंगे कहा इस
कारण आप के दाहिने तरफ के
दराज मे रख दिया है वो ले
कर प्रेस मे रखने के लिये डर-
रहा था

4 Book पाया Albert
18/10/79

17/10/102

[illegible] 28-8-79

श्रीमान प्रमुख साहब.

के एस आफिस (रांची कमीटी)

द्वारा श्रीमान

सेक्रेटरी साहब.

बुक लैण्ड रांची

छोटानागपुर क्रिश्यन पब्ब. हाउस. रांची

Forwarded to Secretary G.E.L.C. Press Ranchi. P. [illegible] 22.9.79

महाशय.

निवेदन रखती है कि मैं एक दुखियारी लड़की हूं सो जरा भी रहम खा कर मेरी वेतन पर ध्यान दे मैं बुक शोप मे 1967 to 1971 तक काम किया था उस समय भी मुझे Permanent नहीं किया गया था। उस समय की वेतन 65/Rs to 75 तक था उसके बाद भी नहीं बढ़ाया गया था. उसी तरह अभी मार्च से अगस्त खत्म होने जा रहा है मगर मेरी वेतन पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है आप जरा गौर कर के देखे कि 75 रु और 120 रु मे कैसे अपने परिवार को चला सकेंगे। इस कारण जरा सोच विचार जल्द किया जाय। ताकी हमें दुखित न होना पड़े। और हमें जल्द परमानेन्ट करा देने की कृपा करें। हमें दुख के साथ घर को निभाना हो रहा है।

इसके लिये ईश्वर पिता आप लोगों को भला चंगा रखे और सदा के लिये आप लोगों को मिले।

आप का आज्ञाकारी

Albert Tirkey (Book Land)

Chotanagpur Christian Publishing House. Main Rd. Ranchi

The application should come through the Manager C.C.P.H.

[illegible] 21/9/79

Sri. Albert Tirkey.
Chotanagpur Christian
Publishing House.
Main Road Ranchi.

To
The Manger Sahab.
Book Cand Ranchi
Dated 20/9/79.

महाशय,
आप से मेरी नम्र प्रार्थना है कि चावल का दाम बढ़ने के चलते आप से सिर्फ आज भर 10) रुपया का मांग कर रहा हूं कुरिवत न होकर कर हमें इस वक्त मदद करें
इसके लिये आप को हार्दिक धन्यवाद

लि आप का आज्ञाकारी
Albert Tukey
Book Cand
Ranchi

Passed
V 20/9

श्रीमान मैनेजर साहब
हुरलेट राँची
ता: १५-६-६९

महाशय,

निवेदन रखता हूँ कि मैं आज १६/६/६९ को घर जा रहा हूँ कारण कि ~~है~~ मेरा लड़का का दवा पहुँचा रखने के लिए, और आप से बिना छुट्टी का लेटर मे भी दे रहा हूँ से कृपया माफ करेगा।

मैं आपका सदा आभारी बना रहूँगा

ता: १५/६/६९

आपका आज्ञाकारी
सेवक:
गोपाल कुमार
हुरलेन राँची

Adjustment 17/9/79

To
The Manger Sahab.
Book Land Ranchi.
Dated 25/8/79.

Dear Sir.
I request you to please give me Rs 10/only. Tomorrow is Sunday Closed.
God is keeping you. wel.

Your's faithfully.
Albert Tirkey.
Book Land Ranchi
Main Rd. Ranchi.

25/8

To
the Manager Saheb
[illegible] Rock [illegible] Karachi
Dated 25 [illegible]

Dear Sir.
I [illegible] you to
Please give me Rs 10 only
[illegible]
[illegible]

Yours faithfully
[illegible]
Book [illegible]
K. [illegible] Karachi

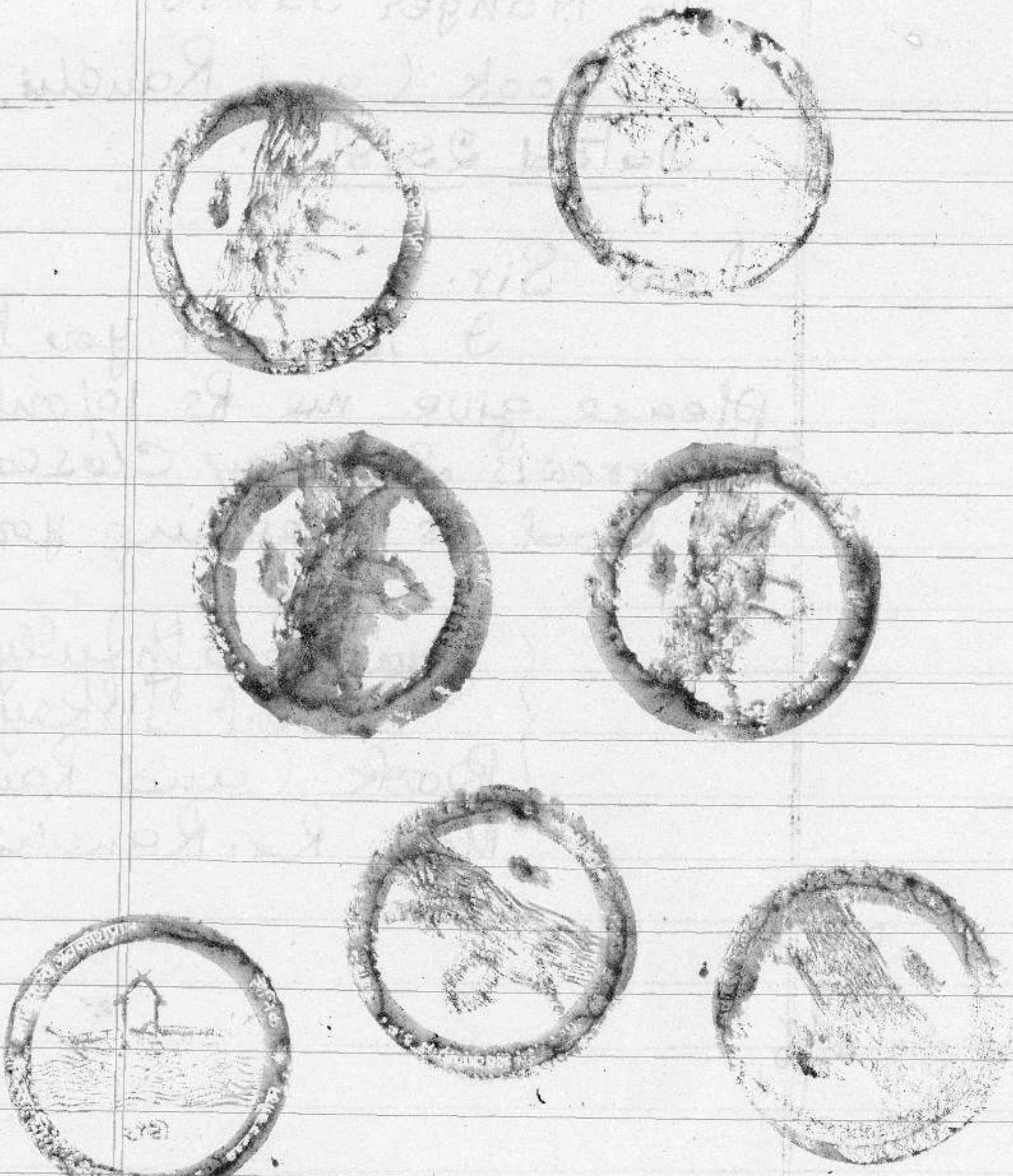

To

The Manger Sahab.
Book Land. Ranchi.
Dated 3/9/79.

Sir.

Most humbly respect fully I beg to approch you to, I my money is accont Book, So you must give me help 20/Rs only Suterday I got five Rs only and not cam help home, So I request you must give me help. Sir.

Gods give you blessing all times.

Yours faithfully
Albert Tirkey
Book land Ranchi

He gives me order that I must give him Rs 20/-
[illegible] 3/9

Respected Toporo da, 2/3/3

I Sri Banerjee taking these books which is on the chair, because some books was short in my previous books accounts and Mr. Darby has no knowledge about these books at all, I had been to his shop last day, he told me you will get Rs 351=32 from him. I will consult with you tommorrow or day after.

you did not come for seats today, any way please wait for my visit.

yours sincerly
Banerji

To

The Manger Sahab
Book Land Ranchi

Dated: 17/8/79

17/8

महाशय,

निवेदन ऐसी है, कि हमारा खर्चा न रहने के कारण रात से खोराकी नहीं होने के — आज दिन मे घर नहीं गया। और आप मदद नहीं करेंगे तो न मालूम कितना दिन बिना खोरे काम पर आना होगा हम कह नहीं सकते है

इसी लिये आप से प्रार्थना करके अर्ज करता हूँ कि आज मुझे 15/रु देते तो मैं अपने को कितना खुश किस्मत समझता उसको आप लोग देख कर महसूस करते। बाद मे काट लिया जाय उसके लिये आप महोदय का सदा आभारी — बना रहूँगा वेतन की कमी होने के चलते मै आप से नम्र प्रार्थना कर रहा हूँ।

आप का आज्ञाकारी
अलबर्ट तिर्की सी.सी. पी एच
बुक लेंड रांची।

श्रीमान
मैनेजर साहब
बुक लैन्ड रांची

ता:- 10.8.79

श्री 10/8

महाशय
निवेदन ऐसी है कि मेरी हालात ज्यादा खराब और छाती के धक धकी होने के चलते आप के पास लिख रहा हूं कारण कि मैं सोचा कि आप पर पक्का होना चाहिये इसी कारण दवा खरीदने के लिये Advance ले रहा हूं. यदि आप मदद करना चाहेंगे तो ईश्वर बाबा आप की भलाई करें। और न देना चाहें तौभी आप भलाई करें इन सब बातों को पुरा करे। और गाली नहीं सुनने के चलते माफी चाहते हैं। अभी धक धकी होता है।

इसके लिये माफी चाहता हूं

आप का आज्ञाकारी
Albert [illegible]
Book Land Peon

CCPH (Mr. Topno)

Respected Topno da, [illegible] 29/7

I hope you are well. Now the fact is this, that since the rain of last 3 days my small Cottage has already been gone to Colapsed, I am also not so well by heath that you know. Now I am sending this boy to you with a great hope to get some considerable Coperation from your sympathetic end within your possibility. I shall meet you latteron. Hope that you will come. The Coperation which will be done by you, that will be payable.

Awaiting for—

[illegible]
29/7/7[illegible]

Respected Topno sahib
Namaskar.
I had expectation that you must come to see my condition as a wellwisher but perhaps you had some urgent so you could not come. Any way further I am sending this boy for the same request for which yesterday I sent. I hope your coperation must be extended with me all the time as well.
Thanking you.

Paid Rs 20/-
28/7

Yours faithfully
S Banerjee
28/7/79

N.B. In this time your possible coperation will be highly appreciated for ever.

28/7

To

The Manager Sahab
Book Land Ranchi

Dated:- 28/7/79.

महाशय,

निवेदन ऐसा है कि चार दिन से तकलीफ भोग रहा हूं और जल्दि किसी को कह नहीं पा सक रहा हूं, सो आज मैं आप के सामने खड़ा हो कर अर्ज कर रहा हूं कि शरीर से हाथ पैर में ताकत न होने के चलते सिर्फ ₹ 25 रु. मांग रहा हूं आज भी घर मे नहीं रहने के चलते नहीं गया। इतना दिन चुपचाप सह लिया मगर अब सहा नहीं जा रहा है क्या करें। गाली मिलेगा कह कर मैं सामने नहीं हो पा रहा हूं मुझे क्षमा करें।

ता: 28/7/79

आप का आज्ञाकारी
अलबर्ट तिर्की
बुक लैण्ड रांची

265/130/145/18 3/16

श्रीमान

मैनेजर साहब.

कुक लेन्ड रांची।

ता: 20.7.79.

महाशय,

मैं आप से आज के दिन अनुरोध कर रहा हूँ, ठंढा गड़ गया है और सारा बदन में दर्द है और खांसी भी हो गया है जिससे हमें ज्यादा बेचैन लगा है कि क्या करें। कहाँ से मदद ले इस लिये आप से अर्ज करता हूँ और ये भी सोचता हूँ कि कहीं हमें डांट सुनना होगा क्या कह कर आप के पास बोलने के बजाय लिख कर दे रहा हूँ. सो जरूर मेरी मदद करें। बाद में उसका आप हिसाब करके रखे रहें। काम से कम आप से अनुरोध करता हूँ कि हमें 25 रु मैं हो जायगा। रात-रात को बुखार और बदन का दर्द होता रहता है। बूढ़ी माँ का सेवा बेटी को करना है। मगर बेटा माँ से बदन को चपवाता है। इसलिये हमें जरूर मदद करें कहीं ऐसा न हो कि बिमारी हाल में काम पर आना पड़ेगा।

आप का आज्ञाकार।

अलबर्ट तिर्की
कुक लेन्ड रांची

207

To

The manger Sahab
Book land Ranchi.
Dated 7/7/79

महाशय,

मै बहुत दुखित हो कर इस दरख्वास्त को पेश कर रहा हूं और खोल कर बता रहा हूं और इसको सच्च मान कर हमे दवा के लिये 25) रुपया दिया जाय। छाती दर्द, और लिभर साईड मे दर्द होता है। इतना दीन नही बताया मगर अब बता दे रहा हूं और हंफनी भी जोर से होता है। इसी-लिये आज आप से 25/- रु दवा के मांग रहा हूं मंजूर कर दिया जाय।

आप का आज्ञाकारी
भलबर तिर्की

श्रीमान
मेनेजर साहब,
बुक लेन्ड,
छोटानागपुर क्रिश्चयन पब्लिशिंग
मेन रोड रांची (हाउस)
ता:-

महाशय,

मेरी आप से नम्र प्रार्थना है कि थोड़ा मे परवरिश नही हो पा सक रहा हूं और आगे के लिये कुछ नही रखने सक रहा हूं। इस लिये आप से अर्जी करता हूं कि मुझ पर ज्यादा दया करके हमारी वेतन को बाढ़ा कर परमानेन्ट कर दिया जाय। कम वेतन मे सपोर्ट नही कर पा रहा हूं। सो कुछ और बढ़ा दिया जाय। ताकी मेरा थोड़ा थोड़ा लेना बन्द हो जाय। मै आप को बहुत तंग करता हूं।

इसके लिये आप लोगो से कुछ-कुछ कर माफी मागता हूं और मुझे जरूर माफ कर दिया जाय।

इसके लिये प्रभु आप सभो को आशीष देवे आमीन

वि: आप का आज्ञाकारी
अलबर्ट तिर्की
बुक लेन्ड।
रांची

26
5
130 3

श्रीमान

मैनेजर साहब,

कुकलैन्ड रांची।

ता: 25/6/79

146
136
16

महाशय,

आप से मेरी अति नम्र प्रार्थना है कि अभी मेरी दशा बहुत खराब हो गयी है कि ½ Kg में छ: जानों का खर्चा चल रहे हैं, इसलिये आप के पास मैं 23.6.79 को जिक्र किया था मगर मुझे नहीं मिला। राशन नहीं पुरने के चलते मैं दिन में घर नहीं जाता हूं, इस कारण आज यानि 25/6/79 को 30) रुपया मदद कर दिजिये। इसके लिये आप को या आप के लिये विश्वास प्रार्थना करके धन्यवाद हूंगा। मालीक के डर से कह नहीं सकता हूँ और ऑफिसर को बार 2 तंग करना अच्छा नहीं लगता है

ता: 25/6/79

आप का आज्ञाकारी
अलबर्ट तिर्की
कुक लैन्ड रांची।